

Así nunca encontrarás el mar
Spinetta y los Socios del Desierto

NOTA: Las notas entre() son opcionales,
algunos son arreglos sobre los acordes o una nota de más sobre la posición.

--7-----10-----
--8-----10-----
--9-----9-----
--10-----8-----
-(7)-----9-----

Sueñas y escapás,

-5-7--9-7---5---4--4-----
-5-7--9-7---5---4--4-----
-----7--5-----

así nunca encontrarás el mar...

FIG. 1

-----7-----
-7-5--7/9---9/7--5-7---2--0-----
-----3-0-0-

--7-----10-----
--8-----10-----
--9-----9-----
--10-----8-----
-(7)-----9-----

y vuelas o mueres,

-5-7--9--7---5---4--4-----
-5-7--9--7---5---4--4-----
-----7--5-----

así nunca encontrarás la paz...

FIG 1

---(3)-----
---3-----6-----
---3-----5-----
---1-----4-----
---3-----5-----

Prendes y apagas,

----- (3) -----
-----3----- (5) -
-----1-----5--
-----3--

y el mundo es extravío,

-----8 (7) (5)-----3-----5-----
-----7-----7---3-----5-----
-----5-----1-----4-----
-----7-----3-----5-----

en el que nada de la luz te va...

-----7-----5-----3-----
-----8-----7-----3----(3/5) (3)--
-----9-----7-----5-----
-----10-----7-----5-----

Mira las hojas del árbol,

-----8-----
-----8-----
-----7-----

resplandecientes...

--7-----10-----
--8-----10-----
--9-----9-----
--10-----8-----
-(7)-----9-----

-5-7--9--7---5---4--4-----
-5-7--9--7---5---4--4-----

-----7---5-

Así nunca encontrarás el mar...

FIG.1

--7-----10-----
--8-----10-----
--9-----9-----
--10-----8-----
-(7)-----9-----

y lloras o callas...

-5-7--9--7--5--4--4-----
-5-7--9--7--5--4--4-----
-----7--5--

así nunca encontrarás el mar, no...

FIG.1

--(3)-----
---3---6-----
---3---5----- (3)-----
---1---4-----3----- (5)---
---3---5-----1-----5-----
-----3-----

Ves la luz y el mundo es impreciso,

-----8 (7)(5)---3---5---
-----7-----7--3---5---
-----5-----1---4---
-----7-----3---5---

te quiere para ver en tí...

-----7---5---3-----
-----8---7---3--(3/5) (3)--
-----9---7---5-----
-----10---7---5-----

solo un instante nomás...

-----8---
-----8---
-----7---

aprenderás que así,

--7-----10-----
--8-----10-----
--9-----9-----
--10-----8-----
-(7)-----9-----

-5-7--9--7--5--4-4-5-----
-5-7--9--7--5--4-4-5--7-9--
-----7-9-----

Así nunca encontrarás el mar...

FIG. 2

---12---7-----
---10---8-----7-----7-7-----7-7--
---11---9--5--7--9--7--7/9-----7/9-----
--(12)-(10)-5--7--9-----

--12---7-----
--10---8-----7--
--11---9-----5--7--9--7--
-(12)-(10)--5--7--9-----

--7-----10-----
--8-----10-----
--9-----9-----
--10-----8-----
-(7)-----9-----

Sueñas y escapas,

-5-7--9--7--5--4--4-----
-5-7--9--7--5--4--4-----
-----7--5--

así nunca encontrarás el mar...

FIG 1

--7-----10-----

--8-----10-----
--9-----9-----
--10-----8-----
-(7)-----9-----

Y mueres o vuelas,

-5-7--9--7--5--4--4-----
-5-7--9--7--5--4--4-----
-----7--5--

así nunca encontrarás la paz...
FIG 1

---(3)-----
---3-----6-----
---3-----5-----
---1-----4-----
---3-----5-----

Prendes y apagas,

----- (3) -----
-----3----- (5) -
-----1-----5--
-----3--

y el mundo es extravío...

-----8 (7)(5)-----3-----5-----
-----7-----7-----3-----5-----
-----5-----1-----4-----
-----7-----3-----5-----

en el que nada de la luz te va...

-----7-----5-----3-----
-----8-----7-----3----- (3/5) (3) --
-----9-----7-----5-----
-----10-----7-----5-----

Mira las hojas del árbol,

-----8-----
-----8-----
-----7-----

resplandecientes...

--7-----10-----
--8-----10-----
--9-----9-----
--10-----8-----
-(7)-----9-----

-5-7--9--7---5---4-4-5-----
-5-7--9--7---5---4-4-5--7-9---
-----7-9-----

así nunca encontrarás el mar...
FIG 2

--7-----10-----
--8-----10-----
--9-----9-----
--10-----8-----
-(7)-----9-----

lloras y callas,

-5-7--9--7---5---4-4-5-----
-5-7--9--7---5---4-4-5--7-9---
-----7-9-----

así nunca encontrarás el mar...

Final sobre FIG 2
--12---7-----
--10---8-----7-----7-7-----7-7--
--11---9---5--7--9--7---7/9-----7/9-----
-(12)-(10)-5--7--9-----

